# मैनकाइंड फार्मा का आईपीओ खुला : प्राइस बैंड 1026-1080 रुपए प्रति शेयर, कंडोम-प्रेग्नेंसी डिटेक्शन किट जैसे प्रोडक्ट बनाती है कंपनी

**मुंबई।**

फार्मास्युटिकल कंपनी मैनकाइंड फार्मा का आईपीओ खुल गया है। कंपनी इसके जरिए 4326 करोड़ रुपए जुटाएगी। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 अप्रैल से लेकर 27 अप्रैल तक अप्लाई कर सकेंगे। 8 मई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए प्रमोटर्स और अन्य शेयरहोल्डर्स के 40,058,844 शेयरों को बेचा जा रहा। इन प्रमोटर्स में रमेश जुनेजा, राजीव जुनेजा और शीतल अरोड़ा शामिल हैं इसके अलावा केनहिल सीआईपीईएफ, केनहिल सीजीपीई बेज लिमिटेड और लिंक इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट भी अपने कुछ शेयर्स बेचेंगे।

**मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं** - रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 13 शेयरों के लिए अप्लाई करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 1026-1080 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 1080 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं तो आपको 14,040 रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक मैक्सिमम 14 लॉट यानी 182 शेयर के लिए 196,560 रुपए की बोली लगा सकते हैं।

**35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व** - कंपनी के इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, आईआईएफएल सिक्योरिटीज, जेफरीज इंडिया और जेपी मॉर्गन इंडिया इस आईपीओ के मैनेजर हैं। जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज को इश्यू के रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त किया गया है।

**आईपीओ क्या होता है** - जब कोई कंपनी पहली बार अपनी कंपनी के शेयर्स को लोगों को ऑफर करती है तो इसे आईपीओ कहते हैं। कंपनियों के द्वारा ये आईपीओ इसलिए जारी किया जाता है जिससे वह शेयर बाजार में आ सके। शेयर बाजार में उतरने के बाद कंपनी के शेयरों की खरीदारी और बिकवाली शेयर बाजार में हो सकेगी। यदि एक बार कंपनी के शेयरों की ट्रेडिंग की इजाजत मिल जाए तो फिर इन्हें खरीदा और बेचा जा सकता है। इसके बाद शेयर को खरीदने और बेचने से होने वाले फायदे और नुकसान में भागीदारी निवेशकों की होती है।

## न्यूज ब्रीफ

### द इकनॉमिस्ट इंटेलिजेंस की रिपोर्ट: कारोबारी माहौल में सिंगापुर को टक्कर दे रहा भारत, एक साल में हुए बड़े सुधार

**नई दिल्ली।** भारत ने कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के लिए पिछले एक साल में बड़े सुधार किए हैं। इस मामले में अब वह सिंगापुर को टक्कर दे रहा है। प्रमुख बड़े सुधारों की वजह से विदेशी कंपनियों (विनिर्माता) के लिए भारत आकर्षक गंतव्य के रूप में सामने आ रहा है। हाल ही में जारी वैश्विक कारोबारी माहौल रैंकिंग (बीईआर) में भारत 6 पायदान ऊपर आ गया है। वहीं, 17 एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में 14वें से 10वें स्थान पर पहुंच गया है। इस रैंकिंग में सिंगापुर शीर्ष पर काबिज है। यह रैंकिंग उन देशों को दी जाती है, जहां अगले पांच साल में कारोबारी माहौल पूरी दुनिया में सबसे अच्छा होगा। वैश्विक कारोबारी माहौल रैंकिंग में 91 संकेतकों के आधार पर 82 देशों में कारोबारी माहौल को लेकर आकर्षण का मापन किया जाता है। 2023 की दूसरी तिमाही के लिए जारी इस रैंकिंग से पता चलता है कि नीतिगत सुधारों की वजह से भारत में कारोबार करना पहले के मुकाबले आसान हो गया है। इसके साथ ही, बुनियादी ढांचा, कराधान और कारोबार को लेकर नियमन में सुधार से निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इकोनॉमिस्ट ग्रुप के अनुसंधान विभाग ने कहा कि कारोबारी माहौल के मोर्चे पर भारत के बेहतर प्रदर्शन के पीछे विदेशी व्यापार, विनिमय नियंत्रण, बुनियादी ढांचे पर जोर और तकनीकी को अपनाने में तत्परता अहम कारक हैं। इसके अलावा, मजबूत एवं स्थिर अर्थव्यवस्था, व्यापक प्रोत्साहन कार्यक्रम, श्रमिकों की बेहतर आपूर्ति से भी भारत में कारोबार करना आसान हुआ है। ईआईयू ने रिपोर्ट में कहा है कि भारत विनिर्माण में निवेश को लेकर ऐतिहासिक रूप से संघर्ष कर रहा है। दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य उभरते बाजारों से उसे कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। इसके अलावा, अत्यधिक लालफीताशाही और संरक्षणवादी रवैया निवेशकों के लिए चुनौती बना रहेगा। भारत के पास अपने विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार का सुनहरा अवसर है।

### 16 राज्यों में 100 रुपए लीटर के ऊपर बना हुआ है पेट्रोल

**नई दिल्ली।** दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपए, जबकि डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर है। देश के 16 राज्यों में पेट्रोल के दाम 100 रुपए लीटर से ऊपर बने हुए हैं। कच्चे तेल (ब्रेंट वरूड) कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। यह 81 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। आखिरी बार मई 2022 में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव किया गया था। तब पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क घटाया गया था। इससे पेट्रोल और डीजल के दाम 9.5 रुपए और 7 रुपए कम हो गए थे। जुलाई 2022 में, महाराष्ट्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 5 रुपए और 3 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी। देश के 16 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, तेलंगाना, पंजाब, झारखंड, सिक्किम, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए पर पहुंच गया है।

### 4 हजार एम्प्लॉइज को नौकरी से निकालेगी डिज्नी: ये छंटनी का दूसरा राउंड, पहले में 7 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था

**नई दिल्ली।** अमेरिका की दिग्गज मास मीडिया एंड एंटरटेनमेंट कंपनी वॉल्ट डिज्नी ने दूसरे राउंड की छंटनी शुरू कर दी है। इस राउंड की छंटनी में लगभग 4000 एम्प्लॉइज की नौकरी जाएगी। इससे पहले इस साल की शुरुआत में डिज्नी ने 7000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। कंपनी ने बताया है कि दूसरे राउंड की ये छंटनी गुरुवार (27 अप्रैल) तक पूरी हो जाएगी। इस राउंड में डिज्नी एंटरटेनमेंट, डिज्नी पार्क, एक्सपीरियंस और प्रोडक्ट्स सहित अलग-अलग डिवीजन के कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जाएगा। वहीं, पहले राउंड में मेटावर्स स्ट्रेटेजी यूनिट और बीजिंग ऑफिस के एम्प्लॉइज प्रभावित हुए थे।

## पहली वाटर मेट्रो 15 मिनट में फुल चार्ज होती है

# 100 पैसेंजर्स बैठ सकते हैं, 20 मिनट में तय करेगी 18 किमी...कई और खासियतें

**कोच्चि।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के कोच्चि में भारत की पहली वाटर मेट्रो की शुरुआत की। इस प्रोजेक्ट की कॉस्ट 1,137 करोड़ रुपए है। वाटर मेट्रो कोच्चि में और उसके आसपास के 10 द्वीपों को जोड़ेगी। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने इन बोट्स को मैन्युफैक्चर किया है।

अभी इस प्रोजेक्ट के पहले फेज में 8 बोट से शुरुआत की गई है। पूरा प्रोजेक्ट कम्प्लीट होने के बाद 78 फास्ट, इलेक्ट्रिकली प्रोपेल्ड हाइब्रिड बोट चलाई जाएंगी। इससे पॉल्यूशन कम करने में मदद मिलेगी और कोच्चि झील के किनारे बसे परिवारों का मेन मार्केट तक पहुंचना आसान हो जाएगा। वाटर मेट्रो से एक लाख से ज्यादा लोगों ट्रैवल कर सकेंगे। पीएम मोदी ने कहा- कोच्चि वाटर मेट्रो का प्रोजेक्ट भी मेड इन इंडिया है... यूनिक है। इसके लिए मैं कोच्चि शिपयार्ड को भी बधाई देता हूं। वाटर मेट्रो से कोच्चि के इर्द-गिर्द अनेक द्वीपों पर रहने वाले लोगों को सस्ता और आधुनिक ट्रांसपोर्ट मिलेगा। केरल में हो रहा यह प्रयोग देश के अन्य राज्यों के लिए भी मॉडल बनेगा।

### कोच्चि वाटर मेट्रो के 2 मेन कंपोनेंट हैं:

**1. बोट**

पैसेंजर सर्विस के लिए कुल 78 ईकोफ्रेंडली बोट चलेंगी। इनमें से 23 बोट 100 यात्रियों को ले जा सकती हैं, बाकी की 55 बोट 50 यात्रियों को कैरी कर सकती हैं। इन बोट्स के अलावा, इमरजेंसी और मेंटेनेंस की स्थिति में मेन फ्लीट को सपोर्ट करने के लिए चार रेस्क्यू बोट भी है।

मेट्रो में लिथियम टाइटनेट ऑक्साइड बैटरी लगी है। बैटरी की कैपेसिटी 122 है। ये बैटरी टेक्नोलॉजी नई है और बोट को 10 से 15 मिनट में चार्ज किया जा सकता है। चुनिंदा स्थानों पर फ्लोटिंग जेटी में सुपर-चार्जर लगाए गए हैं। बोट में जनरेटर बैक-अप भी है। ये बोट्स पूरी तरह से एयर-कंडीशन्ड हैं। इसकी बड़ी खिड़कियों से पैसेंजर बाहर के नजारें देख सकते हैं। इंटीरियर को भी मेट्रो ट्रैवलर्स को बेहतरीन सर्विस देने के लिए डिजाइन किया गया है। बोट को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि हाई स्पीड पर भी कम लहरें पैदा हो।

ऑटोमैटिक बोट लोकेशन सिस्टम वायटिला हब में ऑपरेटिंग कंट्रोल सेंटर से बोट की पोजीशन की लगातार निगरानी कर सकता है। सीसीटीवी सिस्टम बेहतर सेफ्टी के लिए रिमोट लोकेशन से नाव की गतिविधियों की निगरानी करने में सक्षम है।

**2. बोट टर्मिनल**

साइज और कैपेसिटी के हिसाब से तीन तरह के बोट टर्मिनल है। मेजर, इंटरमीडिएट और माइनर टर्मिनल। पीक ऑवर ट्रैफिक के आधार पर टर्मिनलों को प्लान किया गया है। 1000वाले टर्मिनल मेजर और 300-1000वाले टर्मिनल इंटरमीडियेट माना जाता है। 300 से कम के टर्मिनल माइनर के तहत आते हैं। सभी बोट टर्मिनलों को पेड और नॉन-पेड एरिया में डिवाइड किया गया है। टिकट फैसिलिटी, टिकट वेंडिंग मशीन, स्टेशन कंट्रोल अनपेड एरिया में है। पेड एरिया में वेटिंग एरिया, टॉयलेट आदि की व्यवस्था है। सभी टर्मिनलों पर ऑटोमेटेड फेयर कलेक्शन और यात्रियों की गिनती के लिए टर्नस्टाइल सिस्टम की फैसिलिटी है।

### ये केरल का ड्रीम प्रोजेक्ट

इसे केरल का ड्रीम प्रोजेक्ट कहा जा रहा है। केरल सरकार और जर्मन फर्म ने इस प्रोजेक्ट में पैसा लगाया है। वाटर मेट्रो का ओनर कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड के पास है। पहले फेज में वाटर मेट्रो हाई कोर्ट-वाइपिन टर्मिनल और वायटीला-कक्कनाड टर्मिनल से चलेगी।

केरल के मुख्यमंत्री के अनुसार, पैसेंजर ट्रैफिक में फंसे बिना 20 मिनट से भी कम समय में हाई कोर्ट टर्मिनल से वायपिन टर्मिनल तक पहुंच सकेंगे। इन दोनों की दूरी करीब 18 किलोमीटर है। जबकि वॉटर मेट्रो के जरिए वायत्तिला से 25 मिनट में कक्कानाड पहुंचा जा सकता है।

### कोच्चि वाटर मेट्रो की टिकट डिटेल्स

बोट जर्नी के लिए न्यूनतम टिकट की कीमत 20 रुपए, जबकि अधिकतम कीमत 40 रुपए है। रेगुलर पैसेंजर्स के लिए वीकल और मंथली पास अवेलेबल है। वीकली पास 180 रुपए का है। इससे 12 बार यात्रा कर सकते हैं।

50 ट्रिप के साथ 30 दिनों के लिए किराया 600 रुपए रहेगा, वहीं 90 दिनों दिनों के लिए 150 ट्रिप वाला पास 1500 रुपए का बनेगा। कोच्चि वन कार्ड का उपयोग कर कोच्चि मेट्रो रेल और कोच्चि वाटर मेट्रो में यात्रा की जा सकती हैं।

कोच्चि वन ऐप के जरिए भी टिकटों को डिजिटल रूप से बुक किया जा सकता है। बोट मेट्रो की सर्विसेज सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक ऑपरेट होंगी।

# हिंदुजा परिवार के आपसी सुलह पर संशय बरकरार, वकील बोले- मतभेद अब भी

**नई दिल्ली ।**

अरबपति हिंदुजा परिवार के आंतरिक संघर्ष विराम पर लंदन की एक अदालत में उस समय संदेह के बादल छा गए जब संस्थापक श्रीचंद के वकीलों ने कहा कि गोपीचंद हिंदुजा और उनकी भतीजी के बीच विवाद बना हुआ है। बता दें कि हिंदुजा परिवार पिछले साल पूरे यूरोप में बड़े पैमाने पर मुकदमेबाजी समाप्त करने पर सहमत हो गया था, जिससे उस झगड़े पर विराम लग गया था जिससे ब्रिटिश-भारतीय के टूटने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हिंदुजा परिवार के आपसी कलह से जुड़े मामले में एक जज को बताया गया कि परिवार करीब 10 महीने बाद भी कारोबारी साम्राज्य के शासन और उत्तराधिकार योजना को लेकर उलझन में है।

**हिंदुआ परिवार के पास लगभग 14 बिलियन डॉलर की सामूहिक संपत्ति** - न्यायाधीश एंथनी हेडन ने कहा, उस समय इसे संधि के तौर पर पेश किया गया था और कहा गया था कि विवाद खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा, तब लोग खुश थे। ऐसे में यह आश्चर्यजनक नहीं है कि अब फिर संधि पर आशंका जताई जा रही है। हिंदुआ परिवार के चार भाइयों के पास लगभग 14 बिलियन डॉलर की सामूहिक संपत्ति है, अतीत में उन्होंने हमेशा एकजुटता के साथ कारोबार किया। लेकिन आपस में मुकदमेबाजी की बात सामने आने के बाद परिवार के बीच गहरी दरार पड़ने का खुलासा हुआ।

**परिवार के सबसे बड़े भाई श्रीचंद हिंदुजा डिमेंशिया से पीड़ित** - हिंदुजा ब्रदर्स में सबसे बड़े भाई एसपी यानी श्रीचंद परमानंद हिंदुजा 87 वर्ष के हो गए हैं और डिमेंशिया से पीड़ित हैं। अदालत को बताया गया कि एक समय परिवार का विवाद इतना गहरा हो गया था उन्हें राज्य की ओर से संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा अस्पताल में भर्ती करने की नौबत आ गई थी, हालांकि ऐसा नहीं हुआ। यह झगड़ा 2014 में चार हिंदुजा भाइयों की ओर से हस्ताक्षरित एक समझौते पर केंद्रित है कि सब कुछ हर किसी का है और कुछ भी किसी का नहीं है। गोपीचंद (83) ने पहले दावा किया था कि भाइयों के हस्ताक्षर वाले पत्र में समूह के लिए उत्तराधिकार योजना को शामिल किया गया था, लेकिन जून में इसे प्रभावी ढंग से फाड़ने पर सहमति व्यक्त करते हुए कहा गया था कि यह अब उनके बड़े भाई के खिलाफ कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं है।

## घरेलू सौदों के लिए आरबीआईके जरिये देश में विदेशी मुद्रा लेनदेन की मिले अनुमति, अमेरिकी बैंक से लगे रोक

**नई दिल्ली ।**

सलाहकारों और सेवा प्रदाताओं ने सरकार से आग्रह किया है कि विदेशी मुद्रा के घरेलू सौदों को अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के रास्ते होने की मौजूदा व्यवस्था को रोका जाए। इससे लेनदेन शुल्क और विदेशी मुद्रा की बचत होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर जैसी विदेशी मुद्राओं से जुड़े ऐसे घरेलू सौदे आरबीआई के जरिये होने चाहिए। इस समय देश में अमेरिकी डॉलर के लेनदेन पर शुल्क लगाया जाता है। मौजूदा व्यवस्था के तहत, अगर दिल्ली से फरीदाबाद की किसी कंपनी को अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना हो तो ऐसा अमेरिकी वित्तीय प्रणाली के जरिये करना होगा। परामर्शदाता इंजीनियरों के अंतरराष्ट्रीय संगठन एफआईडीआईसी के दूत (एशिया-प्रशांत) केक. कपिला ने कहा, विदेशी मुद्रा के घरेलू सौदों का लेनदेन सीधे केंद्रीय बैंक के जरिये होना चाहिए। अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के जरिये लेनदेन करना जरूरी नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के जरिये होने वाले लेनदेन से देश को पूंजी का काफी नुकसान हो रहा है। इसका लाभ अमेरिका को मिल रहा है। कपिला ने बताया कि घरेलू मुद्रा को बचाने के लिए फिलीपीन जैसा छोटा देश भी अपने आंतरिक विदेशी मुद्रा लेनदेन को अमेरिका के जरिये नहीं करता है।

**फ्यूचर रिटेल को खरीदने के लिए 48 कंपनियां दौड़ में** - नई दिल्ली। कर्ज से दबी फ्यूचर रिटेल को खरीदने के लिए 48 कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। इसमें रिलायंस रिटेल, जिंदल पावर और अदाणी समूह भी हैं। इन्हें योग्य खरीदारों की सूची में चुना गया है।

10 अप्रैल को फ्यूचर रिटेल के समाधान पेशेवर ने इन कंपनियों की सूची जारी की थी एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने 15 जुलाई तक के लिए कॉरपोरेट इंसॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस को बढ़ा दिया था।

# हायर पेंशन चुनने के लिए ईपीएफओ ने बताया सही तरीका: एप्लीकेशन फॉर्म में गलती होने पर 1 महीने तक कर सकेंगे सुधार

**नई दिल्ली।**

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ ने कर्मचारी पेंशन योजना के तहत हायर पेंशन के लिए आवेदन करने को लेकर नया सर्कुलर जारी किया हैं। ईपीएस के लिए आवेदन करने वालों को कई तरह की दिक्कतें हो रही हैं, जिसको लेकर ईपीएफओ ने नया सर्कुलर जारी किया है। सर्कुलर में ईपीएफओ ने बताया है कि अगर आपको ज्यादा पेंशन चाहिए तो उसके लिए आपको क्या करना होगा। सब्सक्राइबर्स ज्यादा पेंशन पाने के लिए 3 मई तक एप्लाई कर सकते हैं। ईपीएफओ ने लोगों को हो सही परेशानी को देखते हुए उनके सवालों के जवाब दिए हैं। जिसमें उसने बताया है कि अगर कोई जॉइंट एप्लीकेशन पेंशन के लिए भरते हैं तो क्या करना होगा अगर जॉइंट एप्लीकेशन फॉर्म को गलत तरीके से भर दिया तो क्या होगा अगर रिजेक्ट हो जाये जॉइंट एप्लीकेशन फॉर्म तो क्या होगा

**जॉइंट एप्लीकेशन फॉर्म भरा है तो क्या होगा** - सर्कुलर के अनुसार अगर आप जॉइंट एप्लीकेशन के लिए हायर पेंशन भरते हैं तो आपके इलाके के ईपीएफओ ऑफिस वाले एप्लीकेशन को वैरिफाई करने के बाद आपकी सैलरी डिटेल को ईपीएफओ पोर्टल में मौजूद डिटेल से वैरिफाई किया जाता है। जब वैरिफिकेशन हो जाता है तो ईपीएफओ बचे हुए पैसों को चेक करेगा उसके बाद उसे ट्रांसफर और डिपॉजिट करने का ऑर्डर आगे बढ़ाएगा और आप फिर हायर पेंशन के लिए सिलेक्ट कर लिए जाएंगे।

**फॉर्म गलत भर दिया है तो क्या होगा** - अगर आप जॉइंट एप्लीकेशन फॉर्म को गलत भर देते हैं और डिटेल मिसमैच हो जाती है तो ऐसे केस में ईपीएफओ आपको एक और मौका देता है। एक महीने में आपको अपनी सही डिटेल ईपीएफओ को देनी होती है। डाटा मिसमैच होने के केस में ईपीएफओ सब्सक्राइबर को इसकी जानकारी देता है और एक महीने का समय सही डिटेल दोबारा भेजने के लिए देता है।

**एप्लीकेशन के रिजेक्ट हो जाने पर क्या होगा** - आपका एप्लीकेशन रिजेक्ट होने से पहले ईपीएफओ एक बार आपको मौका जरूर देता है। जिससे आप अपनी गलतियों को सुधार सकते हैं और दुबारा एप्लीकेशन के लिए एप्लाई कर सकते हैं। वहीं, अगर आप एक महीने में सही जानकारी नहीं देते हैं तो ईपीएफओ खुद आपके एम्प्लॉयर से सही जानकारी ले सकता है और इसके बाद आपकी एप्लीकेशन एक्सेप्ट हो जाती है। वैसे कर्मचारी, जिनकी बेसिक सैलरी और डीए 15,000 रुपए से कम है, वे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

# क्या आपको पता है मैगी नूडल्स बनाने वाली कंपनी नेस्ले का ये सच, कैसे देश में घर-घर पहुंचे उत्पाद

**नई दिल्ली ।**

देश में मैगी का क्रेज किसी से छिपा नहीं है। इस प्रोडक्ट को बनाती है नेस्ले इंडिया लिमिटेड नाम की कंपनी। ऐसा माना जाता है कि नेस्ले की कमाई में सबसे ज्यादा मैगी बेचकर ही होती है, पर हकीकत इससे उलट है। फरवरी 2022 के कंपनी के आंकड़ों के अनुसार मैगी और उससे जुड़े उत्पादों का नेस्ले के राजस्व में 32प्रतिशत योगदान है। हालांकि कंपनी मैगी से कहीं ज्यादा अपने दूध से जुड़े उत्पाद बेचती हैं। इनमें सबसे बड़ा नाम है सेरेलैक। जिसका कंपनी के रेवेन्यु में करीब 42.2प्रतिशत का योगदान है। इस सेगमेंट का ग्रोथ रेट करीब दो प्रतिशत सालाना है।

**मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 24.7 प्रतिशत बढ़ा** - हाल ही में कंपनी ने केयरग्रो नाम एक और बेबी फूड प्रोडक्ट पेश किया है, जो रागी जैसे अनाज से तैयार किया गया है। एक इन्वेस्टर प्रेजेंटेशन में नेस्ले की ओर से बताया गया कि केयर ग्रो उसके पोर्टफोलियो का सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड है। एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया ने घोषणा की है कि उसका मार्च तिमाही का मुनाफा सालाना आधार पर 24.7 प्रतिशत बढ़कर 737 करोड़ रुपये हो गया, जबकि कुल बिक्री 21.3 प्रतिशत बढ़कर 4,808 करोड़ रुपये हो गई।

**2027 तक बेबी फुड बाजार छह प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान** - रिसर्च फर्म आईएमएआरसी के अनुसार सेरेलैक नेस्ले इंडिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला प्रोडक्ट है और बेबी फूड सेगमेंट का मार्केट लीडर है। भारत में बेबी फूड या इन्फेंट फार्मूला का बाजार 2022 से 2027 के दौरान 6प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। इसका कारण है पैरेंट्स में अपने बच्चों के पोषण के प्रति लगातार सजग बनना। नैस्ले इसी बात को समझते हुए इस कारोबार में दबदबा बनाए हुए है। नैस्ले इन्फेंट फार्मूला मिल्क जैसे नान, लैक्टोजन के बाजार में 66.5प्रतिशत की भागीदारी और बेबी फुड सेगमेंट में 96.8 प्रतिशत की भागीदारी के साथ मार्केट लीडर है। हर साल भारत में ढाई करोड़ बच्चे पैदा होते हैं और नैस्ले ने इसी को अपना बाजार बनाया है। भारत में बेबी फूड का बाजार लगातार बढ़ रहा है। माता-पिता के प्रति बच्चे दिनोंदिन सगज होते जा रहे हैं। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी लगातार अपने उत्पादों को इनोवेट कर और नए उत्पाद लेकर आ रही है।

**बीते पांच सालों में कंपनी के शेयर 125 प्रतिशत तक उछले** - बीते पांच वर्षों में नेस्ले के उत्पादों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 16,896.96 करोड़ रुपये हो गई है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा भी बढ़ा है। कंपनी के विक्रय और मुनाफे में वृद्धि का असर उसके शेयरों की कीमत पर भी पड़ा है। पिछले पांच वर्षों में कंपनी के शेयर 125प्रतिशत तक उछले हैं। जबकि इस दौरान निफ्टी और निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स क्रमशः 65 प्रतिशत और 63 प्रतिशत ही बढ़े हैं। फिलहाल कंपनी के शेयर 78× पीई के साथ 20,643.00 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहे हैं। बीते पांच सालों में कंपनी प्रत्येक शेयर पर निवेशकों को 11,581.30 रुपये यानी करीब 127प्रतिशत का रिटर्न मिला है।

**डॉक्टरों की सलाह के बावजूद बेबी फुड से जुड़े उत्पाद हर घर में न्यू नॉर्मल बने** - एक रिपोर्ट के मुताबिक नेस्ले सेरेलैक, वोकहार्ड फारेक्स एंड हेंज ब्रेकफास्ट, क्रीमी ओट पेरिज भारत में बेबी फुड बाजार के तीन प्रचलित नाम हैं। जिनमें नेस्ले इंडिया 2015 से अपनी बढ़त बनाए हुए है। ये कंपनियां बेबी फुड से जुड़ी अलग-अलग तरह के उत्पाद बनाती हैं। इनफेंट मिल्क सब्सटीच्यूट एक्ट के तहत ऐसे उत्पादों का प्रचार नहीं किया जा सकता ऐसे में कंपनियों के लिए अपने उत्पादों की मार्केटिंग करना कठिन होता है। नेस्ले जैसी कंपनियां अपने उत्पादों की मार्केटिंग के लिए सरोगेट तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। आज के भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां एक ओर माता-पिता अपने बच्चों के पोषण के प्रति पहले की तुलना में अधिक सजग रहते हैं वहीं दूसरी ओर माता-पिता दोनों के वर्किंग होने के कारण वे उन्हें हर जरूरी चीज घर पर बनाकर उपलब्ध करवाने में सक्षम नहीं होते हैं। इस परिस्थिति में उन्हें सहारा देता के नेस्ले जैसी कंपनियों के उत्पाद। अब धीरे-धीरे ये उत्पाद हर घर में न्यू नॉर्मल बन गए हैं। ये हाल तब है जब चिकित्सक और जानकार हमेशा बच्चों को घर पर बने फुड खिलाने की सलाह देते हैं धीरे-धीरे ही सही नेस्ले ने हर घर तक अपनी पहुंच बना ली है। जिन मां और सासों ने नेस्ले को इस्तेमाल कर अपने बच्चों को बड़ा किया है वे भी अपनी नई पीढ़ी को इसके बारे में बताते हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। * फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com ( * समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017